Title: Need to convert IIFCO unit at Phulpur, U.P. into gas based Plant to make it viable-Laid.

श्री धर्म राज सिंह पटेल (फूलपुर): उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद जिले में इफको इकाई विश्व का सबसे बड़ा अमोनिया यूरिया काम्पलैक्स है। वर्ष 1997-98 के दौरान सर्वश्रेठ पर्यावरण संरक्षण पुरस्कार भी प्रदान किया गया है। यह इकाई नेप्था पर आधारित है और इस फैक्टरी में हजारों मैट्रिक टन खाद बनती है जो कि 1997-98 और 98-99 तक फूलपुर इकाई में सर्वाधिक उत्पादन था। इस फैक्टरी को काफी लाभ हुआ और सरकार को भी लाभांश का हिस्सा भी वहां के मैनेजमेंट ने दिया। इफको फूलपुर में कुल 1200 स्थायी तथा 1500 कैजुअल कर्मचारी हैं और आस पास गांव के लोगों को भी बड़ी संख्या में अप्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। इनके परिवार भी इस इकाई पर निर्भर हैं। परन्तु इस वर्ष केन्द्र सरकार द्वारा उर्वरक से सब्सिडी हटाने से तथा नेफ्था मूल्य बढ़ने से फूलपुर इकाई को तीन से चार करोड़ रूपए प्रतिदिन घाटा हो रहा है। अब तक लगभग 100 करोड़ रूपए का घाटा हो चुका है। इफको फूलपुर को तभी बचाया जा सकता है जब इसे नेप्था से हटा कर गैस आधारित कर दिया जाये। अगले वर्ष विश्व व्यापार संगठन संधि के प्रभावी होने के बाद नेप्था आधारित इफको फूलपुर संयंत्र के बंद हो जाने का खतरा है। क्योंकि खाद का आयात खुल जाने से जब सस्ती विदेशी खाद यहां आने लगेगी तो उसमें नेप्था आधारित महंगी खाद प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकती। इस इकाई को प्रतिदिन और घाटा बढ़ता जाएगा।

इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि इफको फूलपुर इकाई जो कि नेप्था उर्वरक आधारित हो, गैस आधारित उर्वरक कारखाने के रूप में तबदील करने की अतिशीघ्र कार्यवाही करें, जिससे इफको फूलपुर सहित अन्य नेप्था उर्वरक को बचाया जा सके। जिससे देश की खाद फैक्टरी बंद न हो सके और इकाईयों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों का भविय भी उज्ज्वल हो।